।। ओम् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का पाक्षिक शंखनाद

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली–110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

देखिए
केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्
की वेबसाइड

www.aryayuvakparishad.com
आपके सुझावों का स्वागत है।

वर्ष 25 अंक–11 कार्तिक – 2065 दयानन्दाब्द 184 1 नवम्बर से 15 नवम्बर 2008 (प्रथम अंक)

Website : www.aryayuvakparished.com aryayouthgroup@yahoogroups.com E-mail : **aryayouth@gmail.com**

महर्षि दयानन्द सरस्वती का 125वाँ बलिदान दिवस सम्पन्न

महर्षि दयानन्द की शिक्षाओं को जीवन में धारण करने की आवश्यकता

–मुख्यमन्त्री शीला दीक्षित का आह्वान

नई दिल्ली। रविवार, 2 नवम्बर 2008, आर्यसमाज की शिरोमणि संस्था, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के तत्वाधान में आर्यसमाज के संस्थापक, महान समाज सुधारक, स्वतन्त्रता सेनानी महर्षि दयानन्द सरस्वती का 125वां बलिदान दिवस हिन्दी भवन सभागार में समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह में भारी संख्या में आर्य बन्धुओं ने पधारकर महर्षि दयानन्द को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

समारोह की मुख्य अतिथि दिल्ली की मुख्यमन्त्री श्रीमती शीला दीक्षित ने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में महर्षि दयानन्द की शिक्षाएं भटकते लोगों को नया रास्ता दिखा सकती हैं। उन्हें केवल जीवन में धारण करने की आवश्यकता है। उनके सिद्धान्त, आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं तथा समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। स्वामी दयानन्द ने समाज में आई कुरीतियों को दूर करने में महान कार्य किया। उनके 125वें बलिदान दिवस पर हमें उनके सन्देश को हर जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। हम इसके लिए कीर्ति स्तम्भ भी स्थापित करेंगे। उन्होंने समाज से कन्या भ्रूण हत्या के कलंक को मिटाने का आह्वान किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, सांसद जयप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में महर्षि दयानन्द और आर्यसमाज के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। आज पिर से आर्यसमाज को देश की एकता, अखण्डता के लिए काम करने की आवश्यकता है। नारी शिक्षा, दहेज प्रथा, बाल विवाह, जाति–पाति आदि अनेकों सामाजिक समस्याओं के विरुद्ध आर्यसमाज ने आवाज उठाई तथा देश को एक नई दिशा दी तथा समाज में अपना स्थान बनाया कि हम उन्हें 125 वर्ष बाद भी बड़ी श्रद्धा के साथ याद कर रहे हैं।

समारोह के अध्यक्ष सार्वदेशिक सभा के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी अग्निवेश ने कहा कि महर्षि दयानन्द की शिक्षाओं को हर आम जन तक पहुंचाने के लिए हम कार्य करेंगे तथा आर्यसमाज को आन्दोलन का रूप दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों दो धर्मान्ध मुस्लिमों ने स्वामी दयानन्द के अमर ग्रन्थ 'सत्यार्थप्रकाश' पर प्रतिबन्ध लगाने के लिए दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में याचिका डाली, उसे दिल्ली हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया है इसलिए आज का हम सबके लिए यह पर्व 'विजय दिवस' है। उन्होंने कहा कि देश को बांटने की साजिश करने वालों की मंशा कामयाब नहीं होगी तथा कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध कार्य करने का आह्वान किया।

सार्वदेशिक सभा के कार्यवाहक प्रधन सत्यव्रत सामवेदी ने कहा कि महर्षि दयानन्द के नारी जाति पर अनन्य उपकार हैं। अगर महर्षि दयानन्द न आते तो नारी जाति व राष्ट्र की क्या स्थिति होती यह चिन्तनीय है। आज हमें समाज से बुराइयों को मिटाने का संकल्प लेना है। पूर्व सांसद तथा सभा के महामन्त्री प्रो. कैलाशनाथ सिंह यादव ने कहा कि चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो, धर्म का क्षेत्र हो, वेदों को पढ़ने के अधिकार की बात हो या सामाजिक व राजनैतिक क्षेत्र में हर जगह महर्षि दयानन्द ने नारी जाति को समान अधिकार दिलवाए। आज कृतज्ञ राष्ट्र उनके बलिदान दिवस पर उन्हें नमन करता हुआ उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लेता है। समारोह का संचालन केंद्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने किया। उन्होंने कहा कि आर्य जन प्रान्तवाद व जातिवाद से ऊपर उठकर प्रत्येक मानव मात्र के लिए सेवा का कार्य करें। वैदिक विरक्त मण्डल के महामन्त्री स्वामी आर्यवेश ने कहा कि हम हजारों समर्पित नौजवान तैयार करके राष्ट्रसेवा में लगायेंगे। समारोह का उद्घाटन समाजसेवी देहरादून की श्रीमती इन्दुबाला ने 'ओम्' ध्वज फहराकर किया। भारत में मॉरीशस के राजदूत श्री मुखेश्वर चूनी का अभिनन्दन किया गया। उन्होंने कहा कि भारत का लघु रूप मॉरीशस आर्यसमाज व हिन्दी भाषा का प्रमुख प्रचार केन्द्र है।

मुख्य वक्ताओं में आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, कवि विजय गुप्ता, गुरुकुल कांगड़ी के पूर्व कुलपति डॉ. धर्मपाल आर्य, डॉ. जयेन्द्र आचार्य, पं. रमेशचन्द स्नेही, आचार्य योगेन्द्र शास्त्री, प्रवीन आर्य, आचार्य सतीश सत्यम्, बलजीत आदित्य, पुष्किण अरोड़ा, सत्येन्द्र मोहन गुड़िया आदि ने भी अपने ओजस्वी विचार दिये व महर्षि दयानन्द के पद चिन्हों पर चलने का आह्वान किया।

इस अवसर पर आर्यनेता स्वामी यज्ञमुनि जी, डॉ. ओमप्रकाश मान, राजेन्द्र सिंह बीसला, वेदप्रकाश शास्त्री, सुरेश गोयल, हरिमोहन शर्मा, मनु सिंह, डॉ. दयानन्द आर्य, रमेश अरोड़ा, दुर्गेश आर्य, धर्मपाल आर्य, महेन्द्र भाई, रामकुमार सिंह, देवेन्द्र भगत, प्रभा सेठी, हीरालाल चावला, के.एल. राणा, धर्मपाल सिब्बल, विकास अग्रवाल, सत्यदेव आनन्द, कै. अशोक गुलाटी, आनन्द प्रकाश आर्य, ओमप्रकाश आर्य, जगदीश शरण आर्य, यशोवीर आर्य, सी.एल. मोहन, संजीव चतरथ, जे.पी. गुप्ता, चतरसिंह नागर, सूरज गुलाटी, खुशीराम यादव, शंकरदेव आर्य, सुदेश भगत आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

फरीदाबाद में डॉ. धर्मेन्द्र शास्त्री का अभिनन्दन

दिनांक 26 अक्टूबर 2008 को आर्य केन्द्रीय सभा, जिला फरीदाबाद के तत्वाधान में आर्यसमाज, एन.एच. 3 में 125वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस का आयोजन किया गया। समारोह का कुशल संचालन सत्यभूषण अर्य एडवोकेट सभा महामन्त्री ने किया।

आर्यसमाज सरस्वती विहार में चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न

आर्यसमाज सरस्वती विहार दिल्ली में माह अक्तूबर, 2008 में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 200 बच्चों ने भाग लेकर स्वामी दयानन्द, स्वामी श्रद्धानन्द के सुन्दर चित्र बनाये। कार्यक्रम को सफल बनाने पर सभी सहयोगियों का हार्दिक धन्यवाद।

– ओमप्रकाश मनचन्दा, प्रधा न

स्वतन्त्रता सेनानी नरेन्द्रपति राय जी को 91वें जन्मदिवस की बधाई

आर्यसमाज सोहनगंज के संरक्षक व स्वतन्त्रता सेनानी श्री नरेन्द्रपति राय भाटिया जी 1 नवम्बर 2008 को 91वें जन्मदिवस की उत्तरी दिल्ली वेदप्रचार मण्डल की ओर से हार्दिक बधाई।

–ओम सपरा

125वें बलिदान दिवस पर महर्षि दयानन्द को किया नमन
आर्य जन प्रान्तवाद व जातिवाद का कड़ा विरोध करें
– राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य का आह्वान

नई दिल्ली। बुधवार, 29 अक्टूबर, 2008, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधन में आर्य समाज के संस्थापक युग प्रवर्त्तक महर्षि दयानन्द सरस्वती का 125वां बलिदान दिवस पीतमपुरा के 'दिल्ली हाट' में समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह में दिल्ली के कोने–कोने से हजारों आर्य बन्धुओं ने पधारकर महर्षि दयानन्द को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये तथा सामाजिक कुरीतियों, बढ़ते पाखण्ड, अन्धविश्वासों के विरुद्ध जनजागरण करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर सम्बोध्ति करते हुए केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज देश में बढ़ता आतंकवाद जहां राष्ट्रीय समस्या है, इसके साथ ही राज ठाकरे जैसे अलगाववादी लोग देश को भाषा व प्रान्तवाद के नाम पर तोड़ने का कार्य कर रहे हैं, वह सर्वथा निन्दनीय और देश की एकता और अखण्डता के लिए घातक है। आर्यसमाज और महर्षि दयानन्द के हजारों अनुयायियों ने जेल जाकर अंग्रेजी सरकार से लोहा लिया व कुर्बानियां दीं, आर्यसमाज देश को बांटने वाली हर ताकत का पुरजोर विरोध करेगा। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द ने गुजराती होते हुए भी 'हिन्दी' भाषा के साथ देश को जोड़ने का कार्य किया।

श्री आर्य ने आगे कहा कि समाज में चारों ओर अन्धविश्वास व पाखण्ड बढ़ रहा है। इलेक्ट्रोनिक्स टीवी चैनल भी राशिफल व तन्त्रा मन्त्र के नाम पर पाखण्ड, अन्धविश्वास को परोसकर जनता को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। इन पर प्रतिबन्ध लगना चाहिए। आज आर्यसमाज की पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है। आर्य युवकों को चाहिए कि वह इन कुरीतियों के खिलाफ आगे आकर जनजागरण अभियान चलायें।

उन्होंने कहा कि आर्यसमाज हिन्दू समाज का सजग प्रहरी है। जब–जब भी हिन्दू समाज पर कोई आपदा आई है, आर्यसमाज सदा आगे आया है। कभी पाठ्य पुस्तकों से छेड़छाड़, कभी रामसेतु का मुद्दा, विद्यालयों में यौन शिक्षा, कभी अमरनाथ यात्रियों के भूमि आवंटित कर रद्द करना, सभी जनमानस को उद्वेलित करने वाले मुद्दे रहे हैं।

समारोह के अध्यक्ष प्रगति पेपर के श्री आर.के. अग्रवाल ने कहा कि महर्षि दयानन्द के नारी जाति पर अनन्य उपकार हैं। अगर महर्षि दयानन्द न आते तो नारी जाति व राष्ट्र की क्या स्थिति होती, यह चिन्तनीय है। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो, धर्म के क्षेत्र में वेदों को पढ़ने के अधिकार की बात हो या सामाजिक व राजनैतिक क्षेत्र में हर जगह महर्षि दयानन्द ने नारी जाति को समान अध्किार दिलवाये। आज कृतज्ञ राष्ट्र उनके बलिदान दिवस पर उन्हें नमन करता हुआ उनके पदचिहों पर चलने का संकल्प लेता है। समारोह के विशिष्ट

अतिथि प्रदीप तायल, हीरालाल चावला, गुरुकुल कांगड़ी के पूर्व कुलपति डॉ. धर्मपाल आर्य, घनश्याम गुप्ता चेयरमैन, अग्रसेन अस्पताल, सुरेश अग्रवाल, अरविन्द अग्रवाल, साजन पोद्दार, दीपक जैन, महेश अग्रवाल ने भी स्वामी जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। समारोह का संचालन परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य ने किया। युवा गायक नरेन्द्र आर्य 'सुमन' व सुकृति भटनागर के मधुर भजनों से लोग झूम उठे।

समाज की विशिष्ट सेवाओं के लिए इस अवसर पर आर्य महिला रत्न अवार्ड से 15 महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिसमें सर्वश्रीमती सुशीला आर्या, शीला ग्रोवर, जानकी देवी नागपाल, उर्मिला आर्या, प्रि. अंजू मेहरोत्रा, कृष्णा शर्मा, गायत्री मीना, विजयारानी शर्मा, सुमन नागपाल, वेदप्रभा बरेजा, डॉ. पुष्पलता वर्मा, सुनीता बुग्गा, राजकुमारी चावला, कौशल्या चावला, आशा चड्ढा हैं। इस अवसर पर विशिष्ट व्यक्तियों में आर्य नेता दीपक भारद्वाज, डॉ. इन्द्रसेन मल्होत्रा, भजनप्रकाश आर्य, महामन्त्री महेद्र भाई, प्रवीन आर्या, धर्मपाल आर्य, देवेन्द्र भगत, दुर्गाप्रसाद कालरा, कृष्णचन्द पाहूजा, दुर्गेश आर्य, डॉ. ओमप्रकाश मान, ओमप्रकाश आर्य, रविन्द्र मेहता, डॉ. जे.पी. गुप्ता, यशोवीर आर्य, मन्जीत सिंह ओबराय, जितेन्द्र डावर, राकेश भटनागर, बलजीत आदित्य, आचार्य जीवन प्रकाश शास्त्री, शंकरदेव आर्य, सुदेश भगत आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सम्पादकः

अनिल कुमार आर्य

द्वारा

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

आर्य समाज टी–176.77, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित,

शंकरदेव आर्य, मोबाइल : 011–20297639 प्रबन्धक : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9910649696

ई–युवा उद्घोष देवेन्द्र भगत द्वारा